आयुर्वेदाचार्य (बी.ए.एम.एस.) द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा)

द्रव्य गुण विज्ञान

द्वितीय प्रश्न पत्र

नोट: सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निर्देश: अभ्यर्थी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें। प्रत्येक प्रश्न के अंक निर्धारित हैं। यदि किसी प्रश्न के कई भाग हों तो उनके उत्तर एक ही तारतम्य में लिखे जाएँ।

समय: 2 घण्टे पूर्णाङ्क: 50

[न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क: 25]

बहु विकल्पनीय प्रश्न (प्रत्येक 1 अंक)

प्र.1 शुक्र के किस लक्षण के सन्दर्भ में सुश्रुत का अपना मौलिक मत नहीं है।

1 स्फटिकाभ 2 मधुर रस

3 मधुगन्धि 4 तैलक्षौद्रनिभ

प्र.2 सुश्रुत ने शुद्धातर्व के लिए- किस उपमा का प्रयोग नहीं किया है।

1 शशासृक प्रतिम 2 लाक्षारसोपमय

3 गुजाफल सवर्ण 4 उपर्युक्त मे से कोई भी उपमा नही दी है।

प्र.3 "पीनप्रसन्न वदनां प्रक्लिन्नात्ममुखद्विजाम् सस्तकुक्ष्यक्षिमूर्धजाम . सुश्रुतानुसार किस स्त्री के लक्षण है।

1 सद्योग्रहित गर्भा 2 प्रजायिनी

3 ऋतुमती स्त्री 4 प्रसूता स्त्री

प्र.4 सुश्रुतानुसार आर्तव का वर्ण होता है।

(1) कृष्ण (2) ईषत कृष्ण

(3) अरूण (4) पीत

प्र.5 निम्न में से कौन एक जाल का प्रकार नहीं है।

(1) अस्थि (2) शिरा

(3) मेद (4) माँस

प्र.6 सुश्रुतानुसार गर्भ की नाभि नाड़ी माता की किस नाड़ी से जुडी हुई रहती है।

(1) रसवहा (2) रक्तवहा

(3) माँसवहा (4) रसवहा व रक्तवहा

प्र.7 गर्भावस्था में रूका हुआ आर्त्तव किन चीजों का निर्माण करता है।

(1) अपरा का (2) स्तन्य का

(3) अपरा व स्तन्य दोनों का (4) उपर्युक्त में से किसी का भी नही

प्र.8 हृदय की उत्पत्ति किससे होती है।

(1) रक्तमेद प्रसादाद (2) शोणित कफप्रसादजं

(3) मांसासृककफमेदप्रसादाद (4) शोणित प्रसादाद

प्र.9 सुश्रुतानुसार मानव शरीर में कण्डराओं एवं जालकों की कुल संख्या होती है। क्रमशः

(1) 14, 14 (2) 14, 16

(3) 16, 16 (4) 14,7

प्र.10 मेद्र में पाये जाने वाले कूर्चो की संख्या होती है।

(1) एक (2) दो

(3) तीन (4) चार

लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 5 अंक)

संक्षिप्त टिप्पणी करें (कोई चार)

1 कूर्च एवं जाल 2 Morula stage

3 Blastula stage 4 संघात एवं सीवन

5 गर्भकर भाव 6. जरायु

7. ऋतु चक्र

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक)

1 शरीर, शारीर एवं शरीरि की परिभाषा लिखते हुए शव विच्छेदन विधि एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

2 गर्भ की परिभाषा देते हुए गर्भ के मासानुमासिक वृद्धि क्रम का वर्णन करिए।